संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

एक देश, एक धड़कन

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 3 • अंक 7 • जुलाई 2025

Volume 3 • Issue 7 • July, 2025

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

पुनरुत्थान युग के चित्रकार इंद्रिय तथा बुद्धि का उपयोग करके प्रकृतिवादी चित्र का निर्माण करते थे। वे अपने कला निर्माण के संबंध में अत्यधिक गंभीर थे। केवल अनुकृति के माध्यम से निर्माण कला उनके लिए श्रेष्ठ नहीं थी। वे ऐसा मानते थे कि ऐसी कलाएँ तर्कहीन हैं। कला में उन्होंने बुद्धि के उपयोग को विशेष स्थान दिया।

प्रारंभ के काल में पुनरुत्थान युग के चित्रकार चित्र को भौतिक प्रकृति का तत्त्वज्ञान इस रूप में मानते थे तथा साहित्य कला को वे नैतिक तत्त्वज्ञान मानते थे। इस प्रकार चित्रकार प्रकृति के अधिक निकट है, ऐसा वे दावा करते थे। साहित्यकार स्वयं को अधिक बुद्धिमान मानता था। दोनों एक-दूसरे पर आश्रित थे। चित्रकला मूक काव्य था तो काव्य बोलता हुआ चित्र। काव्य को प्रकृति का अनुकरण माना गया। चित्रकला इस प्रकार काव्य के अधिक निकट आ गई। काव्य प्रकृति का वर्णन सजीव होता है। इसीलिए काव्य चित्रकला के समीप होता है।

कवि को सद्गुणों का शिक्षक माना गया। ॲरिस्टॉटल तथा होरेस ने काव्य-कला का पारिभाषिक ज्ञान दिया। इस प्रकार कवि तथा समीक्षक नैतिक दार्शनिक की श्रेणी में आ गए। परंतु दर्शनशास्त्र शब्द पारिभाषिक ज्ञान से अधिक व्यापक है। उस युग में कवि सद्गुणों का शिक्षक था। वह सामाजिक सदाचार का निर्देशन करता था। ऐसा माना जाता था कि कवि के काव्य वाचन से सदाचार के भाव जागृत होते हैं तथा हमें साहसी नायक, पवित्र नायिका, निष्ठावान अनुयायी तथा न्यायप्रिय शासक के दर्शन होते हैं।

किसी कलाकृति में अनुकृति आवश्यक है। सामान्य अनुकृति ने प्रकृति की अनुकृति का रूप लिया। ईश्वर की कला की अनुकृति धीरे-धीरे होने लगी। किसी विद्वान ने कहा कि कवि दूसरा परमेश्वर है। प्रकृति को दृष्टि के 'परे' की बात माना गया। चित्रकला में कल्पना चाहिए तथा चित्रकार के हाथ में प्रवीणता चाहिए। कल्पना के कारण हम दिखाई न देने वाली, किन्तु प्रकृति में समाविष्ट बातों की खोज करते हैं। हाथों की निपुणता से हम इन बातों को चित्रित करते हैं। इस कारण जो वस्तु पहले हमें प्रत्यक्ष रूप में दिखाई नहीं देती थी उसे हम प्रत्यक्ष कैनवास पर चित्रित करते हैं। ईश्वर ने मानव को सर्वाधिक सुंदर बनाया है। इसीलिए कलाकार को मानव के पूर्ण रूप का चित्रण करना चाहिए, इसी में उसकी सफलता है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

जुलाई 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर द्वारा दिनांक 01 से 10 जुलाई, 2025 तक 'विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के 06 राज्यों – असम, बिहार, हरियाणा, गोवा, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र से कुल 31 शिक्षक/शिक्षिकाओं ने भाग लिया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रतिभागियों के पंजीकरण के पश्चात् क्षेत्राधिकारी एवं शिक्षक प्रतिभागियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर सीसीआरटी और कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में मल्टीमीडिया के माध्यम से प्रतिभागियों को जानकारी दी गयी। इसके पश्चात् विशेषज्ञ डॉ. मोहन प्रकाश द्वारा "एनईपी 2020 के अनुरूप सांस्कृतिक शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया गया।

"एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका" विषय पर सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 03 से 17 जुलाई, 2025 तक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के 13 विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों से कुल 85 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पूरे पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने अंतर-पाठ्यचर्या शिक्षणशास्त्र के रूप में पुतलीकला के अभिनव उपयोग के गुर सीखे, जो इस कार्यशाला का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका' विषयक कार्यशाला का सिद्धि समारोह (समापन समारोह) दिनांक 03 जुलाई 2025 को सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यशाला में छह राज्यों – असम, बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान और पश्चिम बंगाल से कुल 39 सेवारत शिक्षक प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर 8 जुलाई 2025 को शाम 6 बजे से सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में देशभक्ति से ओतप्रोत भावपूर्ण नाटक 'कश्मीर चल पड़े हैं डॉ श्यामा प्रसाद' का मंचन किया गया, यह नाटक भारत की एकता और अखंडता के लिए बलिदान देने वाले महानायक को समर्पित था।

8 से 18 जुलाई 2025 तक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी, असम में ग्रीष्मकालीन शिविर इंद्रधनुष-2025 का आयोजन किया गया, जिसमें 140 बच्चों ने विभिन्न कला रूपों और भारतीय पारंपरिक शिल्प की कक्षाओं में भाग लिया। शिविर के दौरान बच्चों ने हिंदुस्तानी गायन, शास्त्रीय

नृत्य-सत्रिया, नाट्य कला, माइम जैसी कलाओं के साथ-साथ प्रतिष्ठित स्रोत व्यक्तियों और पारंपरिक शिल्पकारों से लोक चित्रकला, मुखौटा निर्माण, जूट का काम और प्राकृतिक कचरे से शिल्प पर व्यावहारिक कक्षाओं में ज्ञानार्जन किया।

सीसीआरटी ने 7-9 जुलाई 2025 तक बिश्वनाथ चरियाली, असम में बच्चों के लिए 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें 121 बच्चों ने विभिन्न कला रूपों और पारंपरिक शिल्प कक्षाओं में भाग लिया।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिल्ली के सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जयंती के दो वर्षीय स्मरणोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में सीसीआरटी, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत नाटक में उनके जीवन, विरासत और अतुल्य योगदान का सजीव चित्रण किया गया। यह मंचन उनकी दूरदर्शिता, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक न्याय के संदेश को बतलाता है। 'कश्मीर चल पड़े हैं डॉ. श्यामा प्रसाद' शीर्षक यह भावपूर्ण नाट्य प्रस्तुति भारत की एकता और अखंडता के लिए बलिदान देने वाले महानायक को समर्पित थी। सीसीआरटी के माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर की प्रभावशाली संकल्पना और सशक्त निर्देशन में देशभक्ति से ओतप्रोत इस प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया।

इस आयोजन की अगली कड़ी के रूप में सीसीआरटी द्वारा संगीत प्रस्तुति की गई। यह संगीत प्रस्तुति 17 छात्रवृत्तिधारकों एवं युवा कलाकारों के 'लघु वाद्य वृंद समूह' द्वारा प्रमुख बांसुरी वादक एवं संगीत नाटक अकादमी अवॉर्डी पंडित चेतन जोशी जी की परिकल्पना एवं निर्देशन में की गई। यह प्रस्तुति दो खंडों में पेश की गई, जिसमें प्रथम खंड का शीर्षक 'सृष्टि चक्र' एवं द्वितीय खंड का शीर्षक 'भारत केसरी' था। सृष्टि चक्र में काल चक्र को एवं भारत केसरी खंड में भारत के सच्चे सपूत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन को संगीत के माध्यम से दर्शाने का अनूठा प्रयास किया गया।

स्कूली शिक्षकों के लिए सीसीआरटी का 501वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम 09-29 जुलाई 2025 तक क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में आयोजित किया गया, जिसमें 7 राज्यों के 28 शिक्षकों ने भाग लिया।

09 जुलाई 2025 को उद्घाटन सत्र में शिक्षकों को ब्रीफिंग, वृत्तचित्र स्क्रीनिंग और प्रक्रियात्मक सत्रों के माध्यम से पाठ्यक्रम के उद्देश्यों, संरचना और संस्थागत दृष्टिकोण से परिचित कराया गया।

माननीय सचिव, संस्कृति मंत्रालय का सीसीआरटी मुख्यालय दौरा

10 जुलाई 2025 को श्री विवेक अग्रवाल (आई.ए.एस.), सचिव, संस्कृति मंत्रालय ने सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली का दौरा किया। श्री अग्रवाल ने सीसीआरटी की दीर्घाओं व परिसर का अवलोकन किया, संस्थान की योजनाओं व गतिविधियों की जानकारी ली तथा संस्कृति और शिक्षा को जोड़ने के केन्द्र के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने जमीनी स्तर पर बड़े सांस्कृतिक संसाधनों के विकास की संभावनाओं को तलाशने हेतु प्रेरित भी किया।

इस अवसर पर 'एक देश एक धड़कन' अभियान के तहत श्री विवेक अग्रवाल, सचिव, संस्कृति मंत्रालय ने सीसीआरटी, मुख्यालय परिसर में 70 फीट ऊँचे स्मारकीय ध्वज का अनावरण किया। इस कार्यक्रम में सीसीआरटी अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय सुश्री लिली पाण्डेय, सीसीआरटी निदेशक श्री राजीव कुमार और संस्कृति मंत्रालय तथा सीसीआरटी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राजभाषा अनुभाग

10 जुलाई 2025 को सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद का राजभाषायी निरीक्षण मुख्यालय के हिंदी अधिकारी श्री मनीष कुमार द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान हैदराबाद केंद्र में राजभाषा के प्रयोग की वस्तुस्थिति का जायजा लिया गया और इसके प्रचार-प्रसार में प्रगति के लिए अपेक्षित परामर्श दिया गया ।

ग्रीष्मकालीन शिविर 'इंद्रधनुष 2025' के अंतर्गत सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी में वृक्षारोपण अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम' आयोजित किया गया। मातृ स्मृति को समर्पित यह प्रयास पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाता है।

दिनांक 11 जुलाई 2025 को जी.एम.सी. बालयोगी इनडोर स्टेडियम, हैदराबाद में राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में दक्षिण संवाद नामक एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय केंद्रीय खान मंत्री श्री जी किशन रेड्डी और विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय उप सभापति, राज्यसभा श्री हरिवंश ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। इस गौरवपूर्ण एकदिवसीय आयोजन में राजभाषा के विद्वानों के साथ देश भर के लगभग पांच हजार राजभाषा अधिकारियों-कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में सीसीआरटी की ओर से मुख्यालय से हिंदी अधिकारी श्री मनीष कुमार और क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद से क्षेत्राधिकारी श्रीमती एम. सौंदर्या कौशिक ने प्रतिभागिता की।

सीसीआरटी ने 9 से 13 जुलाई 2025 तक उत्तरी लखीमपुर, असम में 235 बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर 'इंद्रधनुष' का आयोजन किया। शिविर के दौरान बच्चों ने हिंदुस्तानी गायन, सत्रिया नृत्य, बिहू नृत्य, नाट्य कला/माइम जैसी विभिन्न कलाएँ सीखीं और प्रतिष्ठित स्रोत व्यक्तियों से चित्रकला, मुखौटा निर्माण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण लिया। 13 जुलाई 2025 को सिद्धि समारोह का आयोजन किया गया और बच्चों ने अपनी-अपनी कलाओं की एक कला प्रदर्शनी प्रस्तुत की।

वृक्षारोपण अभियान स्वच्छता कार्य योजना-2025 के अंतर्गत "एक पेड़ माँ के नाम" विषय पर दिनांक 16 जुलाई, 2025 को सीसीआरटी, मुख्यालय नई दिल्ली में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। सीसीआरटी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों सहित "शिक्षा में पुतली कला की भूमिका" कार्यशाला में प्रशिक्षणरत 13 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 86 शिक्षक/शिक्षकाओ ने उत्साह के साथ वृक्षारोपण किया। मातृत्व को समर्पित यह प्रयास पर्यावरण के प्रति हमारे कर्तव्य को दर्शाता है।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय केन्द्र उदयपुर द्वारा दिनांक 16 जुलाई से 05 अगस्त, 2025 तक "एनईपी-2020 के अनुरूप 502वाँ अनुस्थापन पाठ्यक्रम" का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भारत के 08 राज्यों से कुल 35 शिक्षक/शिक्षिकाएँ भाग ले रहे हैं। 16 जुलाई 2025 को दीप प्रज्ज्वलन के बाद सीसीआरटी व इस पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताकर पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया, साथ ही प्रतिभागियों को सीसीआरटी द्वारा संस्कृति, कला एवं शिल्प के संबंध में किए जा रहे कार्यों की मल्टीमीडिया के माध्यम से जानकारी दी गई।

सीसीआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन दिनांक 17 जुलाई, 2025 को सार्थक संवाद के साथ सम्पन्न हुआ। अपने अध्यक्षीय भाषण में सीसीआरटी के निदेशक श्री राजीव कुमार ने प्रतिभागी शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि "पारंपरिक कलाएं शिक्षा में न केवल रचनात्मकता बढ़ाती हैं, बल्कि संवेदनशील, संवादशील एवं समन्वयशील व्यक्तित्व के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।"

प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह कार्यशाला उनके लिए केवल एक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि शिक्षा के नए आयामों को समझने की प्रेरणा रही। कार्यशाला में देश भर से आए शिक्षकों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए तथा उनके रचनात्मक कार्यों की प्रदर्शनी ने आयोजन को और भी समृद्ध बनाया। सीसीआरटी द्वारा आयोजित यह कार्यशाला नई शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षण में नवाचार, समावेशन एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के समन्वय की दिशा में एक सशक्त पहल रही।

दिनांक 18 जुलाई 2025 को शिल्पग्राम प्रेक्षागृह, गुवाहाटी में आयोजित ग्रीष्म शिविर - इंद्रधनुष 2025 (08-18 जुलाई 2025) के समापन समारोह में 140 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजीब कुमार काकोटी, अतिरिक्त निदेशक, SCERT, असम रहे। सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी द्वारा आयोजित इस 10 दिवसीय शिविर ने बच्चों की कल्पनाशीलता, सांस्कृतिक समझ और कलात्मक प्रतिभा को नई दिशा दी।

सीसीआरटी ने 19 जुलाई 2025 को यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन फुलब्राइट कमीशन ऑफ इंडिया के अंतर्गत 19 फुलब्राइट स्कॉलर्स के लिए होटल इंपीरियल इन, नई दिल्ली में 'शिक्षा में कला और संस्कृति' शीर्षक से तीन नियमित सत्र आयोजित किए। सीसीआरटी टीम के मार्गदर्शन और उप निदेशक डॉ. संदीप शर्मा द्वारा डिजाइन किए गए कार्यक्रम में 'पारंपरिक भारतीय कला और शिल्प: शिक्षा में नीतियाँ' विषय पर सत्र आयोजित किया गया, जिसके बाद कुशल कारीगरों द्वारा वर्ली पेंटिंग और मिट्टी के बर्तनों पर व्यावहारिक कक्षाएं आयोजित की गईं। यूएसआईईएफ के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुदर्शन दाश और डॉ. शर्मा ने स्कॉलर्स के कौशल और भारतीय कला सीखने में उनकी रुचि की सराहना की।

आयोजन के दूसरे दिन 20 जुलाई 2025 को 'शिक्षा में भारतीय संस्कृति' विषय पर एनआईएचएफडब्ल्यू की प्रोफेसर डॉ. मीराम्बिका महापात्र ने व्याख्यान दिया। उन्होंने भारत में प्रचलित पारंपरिक शिक्षा प्रणाली पर आधारित वर्तमान शिक्षा प्रणाली के बारे में बताया और छात्रों में भारतीयता के प्रचार का अपना अनुभव साझा किया।

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत दिनांक 22 से 30 जुलाई, 2025 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में कार्यक्रम के प्रारम्भ में 22 जुलाई, 2025 को क्षेत्रीय केंद्र परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में अनुस्थापन पाठ्यक्रम में प्रतिभागिता कर रहे भारत के 09 राज्यों से 39 प्रतिभागी एवं क्षेत्रीय केंद्र के समस्त कार्मिकों ने भाग लिया।

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर में दिनांक 22 से 30 जुलाई 2025 तक आयोजित स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम के क्रम में स्वच्छता एक्शन प्लान के अंतर्गत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय उच्च प्राथमिक आवासीय विद्यालय, लई का गुड़ा, उदयपुर में दिनांक 23 जुलाई 2025 को 193 विद्यार्थियों को "कठपुतली प्रदर्शन" के द्वारा स्व-रचित पारंपरिक कहानियों के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संदेश दिया गया और उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद द्वारा विस्तार सेवा समुदाय एवं पुनर्निवेश कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 24-26 जुलाई 2025 को जी.बी.एच.एस. विद्यालय, हिमायत नगर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन में छात्रों को लोक नृत्य, पेपर क्राफ्ट, वर्ली चित्रकला सिखाई गई।

सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के अनुरूप 503वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम 24 जुलाई से 13 अगस्त 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 8 राज्यों - आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पश्चिम बंगाल से आए 51 सेवारत शिक्षक भाग ले रहे हैं।

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह में दिनांक 16–25 जुलाई, 2025 तक 'एनईपी 2020 के अनुरूप विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**डॉ. संदीप शर्मा,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	**श्री दिबाकर दास,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	**श्री आशुतोष,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (मूल्यांकन)	**श्री अनुभव सिंह,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति)	
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)	
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)	
श्री अनुभव सिंह, उप निदेशक (प्रशासन)	
श्री मनीष कुमार, हिन्दी अधिकारी	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर